

अयन पुं. (तत्.) शा.अर्थ 1. गति, चाल 2. घर; स्थान 3. काल, समय 4. अंश 5. गाय-भैस के थन का वह भाग जिसमें दूध होता है। खगो. सूर्य की विषुवत रेखा से उत्तर की ओर या दक्षिण की ओर गति। पृथ्वी के विषुवतीय वृत्त के क्रांतिवृत्त के ध्रुवों के चारों ओर पृथ्वी की धीमी परिक्रमा। यह परिक्रमा $23\ 1/2^\circ$ की त्रिज्या वाले वृत्त में होती है और लगभग 25,800 वर्षों में पूरी होती है। विषुवत रेखा से चल कर उत्तरी गोलार्ध में $23\ 1/2^\circ$ (कर्करेखा) तक और उलटे क्रम में विषुवत रेखा को पार करते हुए दक्षिणी गोलार्ध में $23\ 1/2^\circ$ (मकर रेखा) तक पहुँचने की सूर्य की नियमित गति। दोनों ओर स्थित $23\ 1/2^\circ$ रेखाएं सूर्य की गति के उत्तरी और दक्षिणी दो छोर हैं। precession

अयनकाल पुं. (तत्.) खगो. सूर्य किरणों के गमन (दक्षिणायन या उत्तरायण होने) की अवधि।

अयनचलन पुं. (तत्.) खगो. विषुव बिंदु का पीछे खिसकना टि. प्रायः 72 वर्ष बाद यह एक अंश पीछे खिसक जाता है। इसी आधार पर ज्योतिष में अयनांश की गणना की जाती है।

अयन-संक्रांति स्त्री. (तत्.) मकर और कर्क राशि की संक्रांति टि. इन संक्रांतियों से ही उत्तरायण या दक्षिणायन का प्रारंभ होता है।

अयनांत पुं. (तत्.) सा.अर्थ एक अयन की समाप्ति और दूसरे के प्रारंभ का संधि-काल भूगो. वह क्षण जब सूर्य की वार्षिक गति की दिशा पलटती हुई प्रतीत होती है। ऐसा क्षण वर्ष में दो बार आता है दे. अयन।

अयनांश पुं. (तत्.) 1. सूर्य के अयान्त अर्थात् गतिविशेष का भाग 2. विषुवत रेखा के दोनों ओर सूर्य की गति का अंश।

अयश पुं. (तत्.) यश का अभाव, अपयश, निंदा, बदनामी विलो. यश।

अयशस्कर पुं. (तत्.) जो कीर्तिकर न हो, बदनामी करने वाला विलो. यशस्कर।

अयशस्य वि. (तत्.) 1. जिससे बदनामी हो 2. बदनाम करनेवाला (कृत्य)।

अयशस्वी वि. (तत्.) जिसे यश न मिला हो, बदनाम।

अयशी वि. (तत्.) यशहीन, बदनाम।

अयस् पुं. (तत्.) 1. लोहा, धातु 2. शस्त्रास्त्र।

अयस्-उत्कीर्णन पुं. (तत्.) लोहे पर उकेर कर कलाकृति बनाना।

अयस्क पुं. (तत्.) धातुओं को खान से निकालते समय उनका मूल रूप, अशोधित कच्ची धातु।

अयस्कांत पुं. (तत्.) चुंबक।

अयस्कार पुं. (तत्.) लोहे का परिष्कार करने वाला, लोहार।

अयस्मय वि. (तत्.) 1. लोहे से युक्त 2. धातु से बना हुआ पर्या. अयोमय।

अयाचक वि. 1. याचना न करने वाला, न माँगने वाला 2. संतुष्ट।

अयाचित वि. (तत्.) बिना माँगा हुआ, अप्रार्थित।

अयाची वि. (तत्.) दे. अयाचक।

अयाच्य वि. (तत्.) 1. जिस वस्तु को माँगने की आवश्यकता न हो 2. जो माँगने योग्य न हो, तुच्छ 3. भरापूरा, संतुष्ट।

अयात वि. (तत्.) जो न गया हो।

अयातयाम वि. (तत्.) एक पहर (लगभग 3 घंटे) बीतने तक की घटना, ताजा (जिसे बने एक पहर से कम समय हुआ है)।

अयान पुं. (तत्.) 1. स्वभाव 2. अगमन, स्थिरता वि. यत्न-रहित, जो सवारी पर न हो, पैदल।

अयाल पुं. (फा.) शेर, घोड़े आदि की गर्दन के लंबे बाल।